फर्क बड़ा है राजा और प्रेमी में कान्हा | By Pratima Singh

फर्क बड़ा है प्रेमी और राजा में कान्हा
सुनो द्वारकाधीश बताये तेरी राधा

गोकुल का कान्हा प्रेमी था
जो प्रेम में हँसके मिट जाता
औरो को मिटाकर राज करे
अब वो ही राजा कहलाता
अब वो ही राजा कहलाता
प्रेम की भाषा क्या समझे जानेगा राजा
सुनो द्वारकाधीश बताये तेरी राधा

यमुना का मीठा पानी भी
तुझको तो रास नहीं आया
सागर के किनारे आ पहुंचा
खारा पानी हिस्से आया
खारा पानी हिस्से आया
तुम भूल हम तुमको ना भूले हैं कान्हा
सुनो द्वारकाधीश बताये तेरी राधा

जिस ऊँगली पे मुरली सजती
अब चक्र सुदर्शन सजता है
प्रेमी तो रक्षक होता है
राजा महाभारत रचता है
राजा महाभारत रचता है
युद्ध ही भाये प्रेम उसे बिलकुल ना भाता
सुनो द्वारकाधीश बताये तेरी राधा

मैं प्रेम पुजारन हूँ प्यारे
मेरी तो बस पहचान यही
तुमने गीता सा ग्रन्थ दिया
जिसमे मेरा कहीं नाम नहीं
जिसमे मेरा कहीं नाम नहीं
मगर समापन पे जग राधे राधे गाता
सुनो द्वारकाधीश बताये तेरी राधा

वो छवि द्वारकाधीश की तुम
बस ढूंढते ही रह जाओगे
हर मंदिर में तुम खड़े प्रिये
मेरे साथ नज़र ही आओगे
मेरे साथ नज़र ही आओगे
हर्ष प्रेम ही दुनिया में है पूजा जाता
सुनो द्वारकाधीश बताये तेरी राधा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ab%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%95-%e0%a4%ac%e0%a4%a1%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a5%87%e0%a4%ae/